৬

এ মণিহার আমায় নাহি সাজে—
এরে পরতে গেলে লাগে, এরে ছিঁড়তে গেলে বাজে ॥
কণ্ঠ-যে রোধ করে, সুর তো নাহি সরে—
ওই দিকে যে মন প'ড়ে রয়, মন লাগে না কাজে ॥
তাই তো বসে আছি,
এ হার তোমায় পরাই যদি তবেই আমি বাঁচি।
ফুলমালার ডোরে বরিয়া লও মোরে—
তোমার কাছে দেখাই নে মুখ মণিমালার লাজে ॥

II গা -া গা | গা গমা -রা | গধা পা -া | -া ক্ষা পা I
এ • ম ণি হা• র্ আ• মা • য়্ না হি

I সন্‌া -া -া | -সা -রা -গা | রসন্‌া -সা -া -া | -া সা সা I
সা • • • • • জে•• • • • • এ রে

I ন্‌সরা -া রা | রা রা -া | রা রা -া | -া রা রগা I
প•• র্ তে গে লে • লা গে • • এ রে•

I সরা -সরগা গা | গা গা -া | গা গা -া | -া -া -া II
ছিঁ• ••ড়্ তে গে লে • বা জে • • • •

-া -া II { পা -া পা | ক্ষা পা -া | পা ক্ষাপা -ধা | -া -া -া I
• • ক ণ্ ঠ যে রো ধ্ ক রে• • • • •

I পধা -না না | না নধা -পা | পা পধা -নর্সা | -া -া -া } I
সু• র্ তো না হি• • স রে• •• • • •

I র্সা -র্গা র্গা | র্রা র্সা -া | নর্সা -র্রা র্সা | না ধা -া I
ও ই দি কে যে • ম• ন্ প' ড়ে র য়্

I পধা -না না | ধা পা -া | ক্ষাপা গা -া | -া -া -া II
ম• ন্ না গে না • কা• জে • • • •

-া -া II সা -ন্া ন্ধ্া | -সা সা সা | সা -ন্া -রা | সা -া -া I
• • তা ই তো • ব সে আ • • ছি • •

I সা সন্া -রা | রা মন্া -রগা | গা গরা -গা | রা সা -া I
এ হা র্ তো মা •র্ প রা ই য দি •

I সা সা -র্সা | -া না ধা | পধা -নর্সনা -ধনা | ধপা -া -ক্ষা I
ত বে • ই আ মি বাঁ• ••• •• চি• • •

I গা -রা সা | -ধ্সা সা সা | সা -ন্া -রা | সা -া -া I
তা ই তো •• ব সে আ • • ছি • •

I {পা পা -া | ক্ষা পা -া | পা ক্ষাপা -ধা | -া -া -া I
ফু ল • মা লা র্ ডো রে• • • • •

I পা পধা -না | না না -ধপা | পা পধা -নর্সা | -া -া -া} I
ব ন্ধি• • মা ল •ও মো রে• •• • • •

I র্সা র্সা -র্গা | র্রা র্সা -া | র্সর্রা র্সা -া | না ধা -া I
তো মা র্ কা ছে • দে খা ই নে মু খ্

I পা পধা -নর্সা | না ধা -পা | পসা -া -রা | গা -া -া II II
ম ণি• •• মা লা র্ লা • • জে • •